This question paper contains **8** printed pages]

आपका अनुक्रमांक.....

849

B.A. (Programme)/II/III **D**

HINDI LANGUAGE (B)—Paper II

हिंदी भाषा (ख)—प्रश्न-पत्र II

(प्रवेश-वर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात्—नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिये/NCWEB के विद्यार्थियों के लिये)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

टिप्पणी :—प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं । तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे ।

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं । किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8+8=16

(क) इत्यादि यूँ तो हर जोखिम से डरते थे,

लेकिन कभी-कभी जब वो डरना छोड़ देते थे

P.T.O.

तो बाकी सब उनसे डरने लगते थे

इत्यादि ही करने को वे वो सारे काम करते थे

जिनसे देश और दुनिया चलती थी

हालाँकि उन्हें ऐसा लगता था कि वो ये सारे काम

सिर्फ अपना परिवार चलाने को करते हैं

इत्यादि हर जगह शामिल थे पर उनके नाम कहीं भी

शामिल नहीं हो पाते थे

इत्यादि बस कुछ सिरफिरे कवियों की कविता में अक्सर दिख जाते थे ।

प्रश्न :

(*i*) 'इत्यादि' से क्या अभिप्राय है ?

(*ii*) 'इत्यादि' से 'बाकी सब' क्यों डरने लगते थे ?

(*iii*) 'इत्यादि' के नाम कहीं भी शामिल क्यों नहीं हो पाते थे ?

(*iv*) इत्यादि अक्सर कहाँ दिख जाते थे ?

(ख) गांधी जी ने अंग्रेजी के प्रभुत्व से होने वाली देश की हानि के बारे में लिखा था, हजारों नवयुवक अपना कीमती समय इस विदेशी भाषा को सीखने में ही नष्ट करते हैं जबकि उनके दैनिक जीवन में उसकी कोई उपयोगिता नहीं है, अंग्रेज़ी सीखने में समय लगाते हुए वे मातृभाषा की उपेक्षा करते हैं, वे इस अन्धविश्वास के शिकार होते हैं कि ऊँचे दर्जे के विचार अंग्रेज़ी ही में प्रकट किए जा सकते हैं, अंग्रेज़ी के लादे जाने से राष्ट्र की शक्ति सूख गई है, विद्यार्थियों की आयु क्षीण हो गई है, आज जनता से वे दूर जा पड़े हैं, शिक्षा पाना बड़े खर्चे का काम हो गया है । "यदि यही सिलसिला रहा तो बहुत संभव है कि राष्ट्र की आत्मा का नाश हो जाए ।"

प्रश्न :

(*i*) अंग्रेज़ी के प्रभुत्व से होने वाली हानियाँ कौनसी हैं ?

(*ii*) भारतीय युवकों के दैनिक जीवन में अंग्रेज़ी की उपयोगिता क्यों नहीं है ?

(*iii*) राष्ट्र की आत्मा के नाश से क्या अभिप्राय है ?

(*iv*) 'अंग्रेज़ी के लादे जाने से राष्ट्र की शक्ति सूख गई है' ..... आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ग) नवधनाढ्य वर्ग राष्ट्रीय सम्पत्ति का बहुत बड़ा हिस्सा उत्पादन में योगदान किए बिना लूट-खसोट के जरिए हस्तगत कर लेता है । सामाजिक परजीवीवाद के इस नजरिए से देखने पर यह वर्ग न केवल इसलिए समाज का दानव प्रमाणित होता है कि वह सामाजिक नैतिकताओं के लिए खतरा है बल्कि इसलिए कि वह आर्थिक और राजनैतिक विकास तथा सामाजिक अनुशासन के लिए अड़ंगा बन जाता है । विकास के लिए तब तक कोई सामाजिक लामबन्दी नहीं हो सकती, जब तक नवधनाढ्य वर्ग या नवपरजीवियों के मसले की जड़ पर ही हमला नहीं किया जाता और उन हालातों को बुनियादी तौर पर बदल नहीं दिया जाता जिनके चलते वे दिन दूना-रात चौगुना फलते-फूलते हैं ।

प्रश्न :

(*i*) लेखक ने नवधनाढ्य वर्ग को सामाजिक परजीवी-वर्ग क्यों कहा है ?

(*ii*) सामाजिक जीवन में नवधनाढ्य वर्ग की भूमिका क्या रंग ला रही है ?

(*iii*) नवधनाढ्य वर्ग समाज का दानव क्यों प्रमाणित हो रहा है ?

(*iv*) नवधनाढ्य वर्ग क्या है ? स्पष्ट कीजिए ।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए : 3×4=12

(*i*) महानगरों में बढ़ते एकल परिवारों की समस्याएँ कौन कौनसी हैं ?

(संयुक्त परिवार)

(*ii*) शहर आने पर जगदीश बाबू को एकाकीपन क्यों महसूस हुआ ?

(दाज्यू)

(*iii*) आज की कामकाजी महिला की घरेलू और बाहरी भूमिका के बारे में महादेवी वर्मा का क्या मत है ?

(घर-बाहर)

(*iv*) 'संयुक्त परिवार' कविता में कवि ने किस समस्या पर मुख्य रूप से प्रकाश डाला है ?

(संयुक्त परिवार)

(*v*) क्या समाज में उभरते नए परजीवी वर्ग के कार्यकलाप देश की अर्थव्यवस्था को चोट पहुँचाते हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

(नवधनाढ्य वर्ग या नए परजीवी)

3. किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 3×3=9

(*i*) सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी ।

(*ii*) मानक हिंदी की विशेषताएँ ।

(*iii*) ब्रज **अथवा** अवधी का सामान्य परिचय दीजिए ।

(*iv*) राजभाषा हिंदी ।

4. किसी **एक** का पल्लवन कीजिए : 6

(*i*) सुनिए सबकी, करिए मन की ।

(*ii*) कुसंगति का प्रभाव ।

(*iii*) एकता में बल है ।

5. निम्नलिखित अनुच्छेद का शीर्षक लिखते हुए संक्षेपण कीजिए : 6

आलोचना का जीवन में स्थान है और रहेगा । क्रोध में कोई योजना नहीं होती, इसलिए आलोचना कभी कड़वी न हो, यह भी असंभव है । फिर क्रोध न हो, तो उसका भाई व्यंग्य है, जो आलोचना को तीखी-पैनी बना देता है । इस स्थिति में प्रश्न यह है कि आलोचना का सबसे संतुलित रूप क्या है ? भोजन में तीखी चीज़ें भी होती हैं और मीठी चीज़ें भी । तो पहले क्या खायें और अंत में क्या ? यह एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न है और इसका सर्वोत्तम उत्तर यह है : "मधुरेण समारम्भ्य मधुरेण समापयेत" – मधुर से आरम्भ और मधुर पर समाप्ति । बातचीत का भी आरंभ संतुलित हो, आलोचना मध्य में हो और अंत ऐसा हो कि आलोचना के पैनेपन को शमित कर हृदय को ग्रहणशील बना दे ।

6. किन्हीं **तीन** मुहावरों/लोकोक्तियों के अर्थ लिखते हुए वाक्य बनाइए : 3×2=6

(*i*) काटने को दौड़ना

(*ii*) उछल-कूद मचाना

(*iii*) गड़े मुर्दे उखाड़ना

(*iv*) हाथ पर हाथ रख कर बैठना

(*v*) तलवार के घाट उतारना ।

7. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×4=12

(*i*) शब्द-शक्ति किसे कहते हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

(*ii*) 'नए चलन ने बहुत सहूलियत बख्शी है चोरों को' — व्यंग्यार्थ स्पष्ट कीजिए ।

(*iii*) अभिधा तथा व्यंग्यार्थ में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

(*iv*) 'नहा धोकर दिव्य होते' वाक्य में कौनसी शब्द-शक्ति है ?

8. किन्हीं **दो** का परिचय दीजिए : 2×4=8

(*i*) मुहावरा-लोकोक्ति-कोश ।

(*ii*) कोश की परिभाषा बताते हुए उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

(*iii*) समांतर कोश ।